मोहनदास करमचन्द गॉधी : एक युग पुरूष

डॉ. संतोष कुमार सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग,
समता स्नातकोत्तर महाविद्यालय,सादात,गाजीपुर (उ.प्र.)

सारांश

सत्य और अहिंसा महात्मा गाँधी के दो हथियार थे। इन्ही दो हथियारों के माध्यम से गाँधी जी ने अग्रेंजो की सत्ता को भारत से उखाड़ कर फेंक दिया। गांधी जी का मानना है कि जो हमारी आत्मा कहे वही सत्य है लेकिन प्रश्न यह पैदा होता है कि क्याज सभी व्यक्तियों की अर्न्तआत्मा की आवाज सत्य हो सकती है? गांधी जी इस प्रश्न के उत्तर में कहते हैं कि विभिन्न परिस्थितियों में रहते हुए लोगों की अर्न्तआात्मा की आवाज एक-दूसरे से भिन्न हो पर वह सत्य है-चरम सत्य नहीं। इस प्रकार एक सत्य दूसरे के लिए असत्य हो सकता है। यदि चरम एवं ईश्वरीय सत्य का ज्ञान प्राप्त करना है व्यक्ति को सत्य का प्रयोग करना होगा।

समाज वैज्ञानिकी अक्टूबर-मार्च 2022-23
अंक-35-36, ISSN 0973-4201
भारतीय समाज विज्ञान परिषद्